



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 165]
No. 165]

नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 7, 1984/चैत्र 18, 1906
NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 7, 1984/CHAITRA 18, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय
(नागरिक पूर्ति विभाग)
अधिसूचना
नई दिल्ली, 7 अप्रैल, 1984

MINISTRY OF FOOD & CIVIL SUPPLIES
(Department of Civil Supplies)
NOTIFICATION

New Delhi, the 7th April, 1984

का. आ. 253(अ).—केन्द्रीय सरकार, अग्रिम संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 3 के अधीन ग्रेन राइस एंड आयलसीड्स मर्चेंट्स एसोसियेशन प्रेसीड हाऊस, 72/80 यूसुफ मेहरीली रोड, बम्बई-400003 द्वारा प्राप्त मान्यता के नवीकरण के लिए किए गए आवेदन पर वायदा बाजार आयोग के परामर्श से विचार करके और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोकहित में भी होगा, एतद्वारा उक्त अधिनियम की धारा 6 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त एसोसियेशन को मूमफली (गिरी) की अग्रिम संविदाओं के बारे में 7 अप्रैल, 1984 से 6 अप्रैल, 1986 तक (जिनमें ये दोनों दिन शामिल हैं) की दो वर्ष की कालावधि के लिए मान्यता प्रदान करती है।

2. एतद्वारा प्रदत्त मान्यता इस शर्त के अध्याधीन है कि उक्त एसोसियेशन ऐसे निदेशों का अनुपालन करेगा जो वायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिए जाएं।

[मिंसिल सं. 12(1)-आई.टी./84]

S.O. 253(E).—The Central Government, having considered in consultation with the Forward Markets Commission, the application for recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by the Grain Rice and Oilseeds Merchants' Association, Grainseeds House, 72/80 Yusuf Meherali Road, Bombay-400003, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition to the said Association for a period of two years from 7th April, 1984 to 6th April 1986 (both days inclusive) in respect of forward contracts in Groundnut (Kernel).

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Association shall comply with such directions as may, from time to

be given by the Forward Markets Commission.

[F. No. 12(2)-IT/84]

का. खा. 254(अ).—केन्द्रीय सरकार, अग्रिम संविदा (विनियम) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन बम्बई आयल सीड्स एंड आयल एक्सचेंज लि., जनभाई विल्लिंग युसुफ मेहराली रोड, बम्बई-400003 द्वारा प्राप्त मान्यता के नवीकरण के लिए किए गए आवेदन पर वायदा बाजार आयोग के परामर्श से विचार करके और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और शोकाहित में भी होगा, एतद्वारा उक्त अधिनियम की धारा 6 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त एक्सचेंज को मूंगफली के तेल की अग्रिम संविदाओं के बारे में 7 अप्रैल, 1984 से 6 अप्रैल, 1986 तक (जिसमें ये दोनों दिन शामिल हैं) को दो वर्ष की कालावधि के लिए मान्यता प्रदान करती है।

2. एतद्वारा प्रदत्त मान्यता इस शर्त के अध्याधीन है कि उक्त एक्सचेंज ऐसे निवेशों का अनुपालन करेगा जो वायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिए जाएं।

[मिसिस सं. 12(1)-आई.टी./84]

डी. के. सिंह, संयुक्त सचिव

S.O. 254(E).—The Central Government, having considered in consultation with the Forward Markets Commission, the application for recognition made under section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by the Bombay Oilseeds and Oils Exchange Ltd., Jenabai Building Yusuf Meherali Road, Bombay-400003 and being satisfied that it would be in the interest of the trade and in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by section 6 of the said Act, recognition to the said Exchange for a period of two years from 7th April, 1984 to 6th April, 1986 (both days inclusive) in respect of forward contracts in Groundnut oil.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Exchange shall comply with such directions as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[F. No. 12(2)-IT/84]

D. K. SINGH, Jt. Secy.